

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महालेखाकार (ले0 एवं हक0),
उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग,
सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक ९ नवम्बर, 2010

विषय- वित्तीय वर्ष 2009-10 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना हेतु डेरी विकास विभाग को दुग्ध समितियों को सक्रिय करने हेतु प्रशिक्षण, अवस्थापना विकास तथा रिवाल्विंग फण्ड हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से लिये गये अग्रिम की वित्तीय वर्ष 2010-11 में प्रतिपूर्ति करने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना हेतु डेरी विकास विभाग को शासनादेश संख्या-730/XV-2/1(7)/2010, दिनांक 18-03-2010 एवं 874/XV-2/1(7)/2010, दिनांक 31-03-2010 द्वारा क्रमशः रू0 17960 हजार एवं 13888 हजार कुल धनराशि रू0 31848 हजार दुग्ध समितियों को सक्रिय करने हेतु प्रशिक्षण, अवस्थापना विकास तथा रिवाल्विंग फण्ड हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम प्रदान किया गया था, जिसकी प्रतिपूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 में बजट व्यवस्था कर ली गयी है।

2-चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक की सुसंगत लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत इस मद में प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राविधानित कुल धनराशि रू0 31848 हजार की प्रतिपूर्ति निम्नानुसार की जाती है :-

आय-व्ययक 2010-11 अनुदान संख्या-28

धनराशि रू0 हजार में

2404-डेरी विकास-00-आयोजनागत-102-डेरी विकास परियोजनायें

01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-01-राष्ट्रीय कृषि विकास

योजना (100% कै0स0)-20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता

318.48

कुल योग : -

318.48

(रूपये तीन करोड़ अठारह लाख अड़तालिस हजार मात्र)

अतः अनुरोध है कि तदनुसार वित्तीय लेखे 2010-11 में अंकन की कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)

सचिव।

संख्या- 2900 /XV-2/1(7)/2009 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव, कृषि विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. निदेशक, डेरी विकास विभाग, मंगलपड़ाव, हल्द्वानी, नैनीताल।
3. कोषाधिकारी, हल्द्वानी।
4. वित्त अनुभाग-01/04, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस0के0 पंत)

अनु सचिव।